Roll. No. : .....

GEJY-01

Examination, 2024 (June)

[भारतीय वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 26 = 52

1. भारतीय वास्तु शास्त्र का परिचय देते हुए वास्तु के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. वास्तुशास्त्र के प्रयोजन से क्या तात्पर्य है विस्तारपूर्वक लिखिए।

3. वास्तु शास्त्र की मूल अवधारणा पर निबन्ध लिखिए।

4. पंच महाभूतों का विस्तार पूर्वक परिचय दीजिए।

5. वास्तु शास्त्र के प्रवर्त्तकों का विस्तृत उल्लेख कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

4 × 12 = 48

1. पंच महाभूतों का ग्रहों से सम्बन्ध के विषय में लिखिए।

2. पृथ्वी तत्व के स्वरूप को बताइए।

3. भूखण्ड चयन में कौन–कौन सी मुख्य विशेषताएं ध्यान देने योग्य है।

4. गज पृष्ठ भूमि के लक्षण – फल सहित उल्लेख कीजिए।

5. भूखण्ड के प्ल्वत्व का उल्लेख करते हुए वास्तुशास्त्र में प्लव की आवश्यकता पर प्रकाश डालें।

6. कूर्मपृष्ठ भूमि के प्रकार तथा फल को लिखिए।

7. भूखण्ड के शुभ आकार कौन–कौन से है।

8. आवास हेतु प्रशस्त भूमि के विषय में लिखिए।

****